



भारत का संचार The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३३१] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर २६, १९७३/आश्विन ४, १८९५

No. ३३१] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 26, 1973/ASVINA 4, 1895

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th September 1973

S.O. 519(E).—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958, namely:—

1. (1) These rules may be called the Authentication (Orders and other Instruments) Fifth Amendment Rules, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 2 of the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958, for entry (18), the following entry shall be substituted, namely:—

“(18) in the case of orders and other instruments relating to the Ministry of Irrigation and Power, by a Director, Deputy Director (Power) or the Budget Officer in that Ministry; or”

[No. F. 3/6/73-Public I.]

K. R. PRABHU, Jt. Secy.

(1733)

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1973

का० फा० 519 (आ).—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 27 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिप्रमाणन (आदेश और अन्य लिखत) नियम, 1958 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अधिप्रमाणन (आदेश और अन्य लिखित) पंचम संशोधन नियम 1973 है।

(2) ये गजपति में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अधिप्रमाणन (आदेश और अन्य लिखत) नियम 1958 के नियम 2 में, प्रविष्ट (18) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् :—

“18. सिवाई और विष्णु मंत्रालय से सम्बन्धित आदेशों और अन्य लिखतों के विषय में उस मंत्रालय के निदेशक, उप-निदेशक (विष्णु) या बजट अधिकारी द्वारा ; या ”

[सं० फा० 3/6/73—पब्लिक 1]

के० प्रार० प्रभु, संयुक्त सचिव।